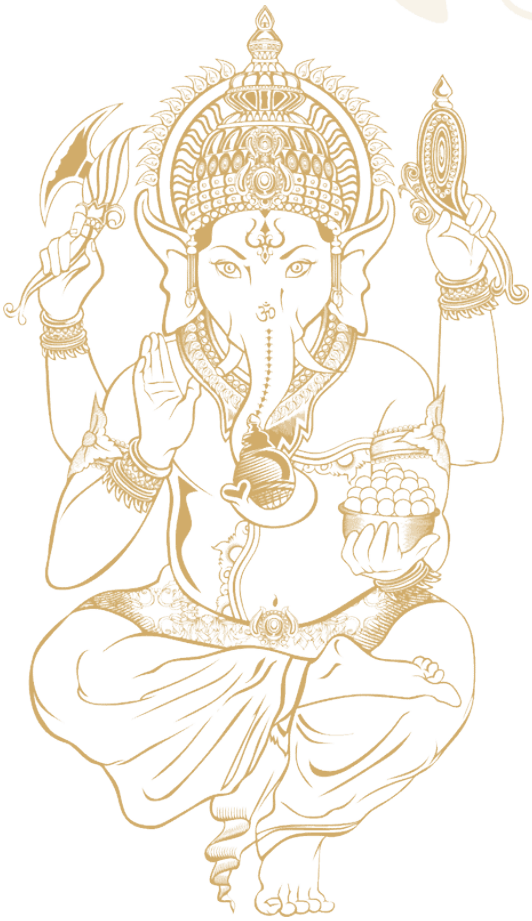

Mr.nikhil shetye

Ms.diksha gandhi

Model: Love-Horoscope

Order No: 119249801

Model: Love-Horoscope

Order No: 119249801 Date: 27/08/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
7-08/05/1994	जन्म तिथि	10-11/10/1996
शनि-रविवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 03:00:00	जन्म समय	05:17:00 घंटे
घटी 52:08:19	जन्म समय(घटी)	57:01:13 घटी
India	देश	India
Ratnagiri	स्थान	Ratnagiri
17:00:00 उत्तर	अक्षांश	17:00:00 उत्तर
73:22:00 पूर्व	रेखांश	73:22:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:36:32	स्थानिक संस्कार	-00:36:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:08:40	सूर्योदय	06:28:30
18:57:50	सूर्यास्त	18:18:20
23:46:54	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:45
कुम्भ	लग्न	कन्या
शनि	लग्न लग्नाधिपति	बुध
मीन	राशि	कन्या
गुरु	राशि-स्वामी	बुध
रेवती	नक्षत्र	उ०फाल्गुनी
बुध	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
2	चरण	3
प्रीति	योग	ब्रह्म
गर	करण	विष्टि
दो-दौलत	जन्म नामाक्षर	पा-पल्लवी
वृष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
विप्र	वर्ण	वैश्य
जलचर	वश्य	मानव
गज	योनि	गौ
देव	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
सर्प	वर्ग	मूषक

Vedmurti
Ratnagiri
9130790939
sumitradeo1988@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 9वर्ष 2मा 14दि		25:23:22	कुंभ	लग्न	कन्या	06:09:28	सूर्य 1वर्ष 11मा 30दि	
शुक्र		23:18:01	मेष	सूर्य	कन्या	24:07:52	राहु	
22/07/2010		22:46:47	मीन	चंद्र	कन्या	05:33:28	11/10/2015	
22/07/2030		24:03:42	मीन	मंगल	कर्क	25:08:26	11/10/2033	
शुक्र	20/11/2013	02:05:35	वृष	बुध	कन्या	09:04:08	राहु	23/06/2018
सूर्य	21/11/2014	15:03:02	तुला व	गुरु	धनु	16:08:54	गुरु	16/11/2020
चन्द्र	21/07/2016	20:20:41	वृष	शुक्र	सिंह	14:09:48	शनि	23/09/2023
मंगल	20/09/2017	16:54:51	कुंभ	शनि व	मीन	09:03:57	बुध	11/04/2026
राहु	20/09/2020	00:01:36	वृश्चि व	राहु	कन्या	14:14:26	केतु	30/04/2027
गुरु	22/05/2023	00:01:36	वृष व	केतु	मीन	14:14:26	शुक्र	29/04/2030
शनि	22/07/2026	02:32:30	मक व	हर्ष	मक	06:49:47	सूर्य	24/03/2031
बुध	22/05/2029	29:31:36	धनु व	नेप	मक	01:10:10	चन्द्र	22/09/2032
केतु	22/07/2030	03:11:11	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	07:31:57	मंगल	11/10/2033

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:46:54 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:45

लग्न-चलित

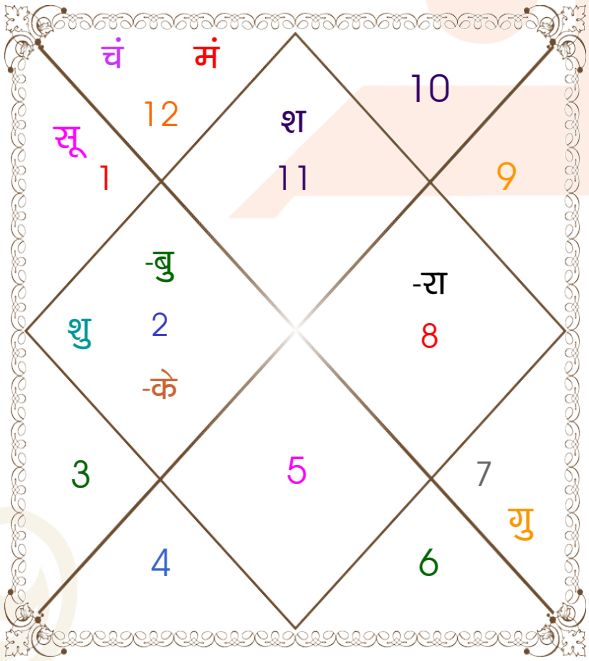

लग्न-चलित

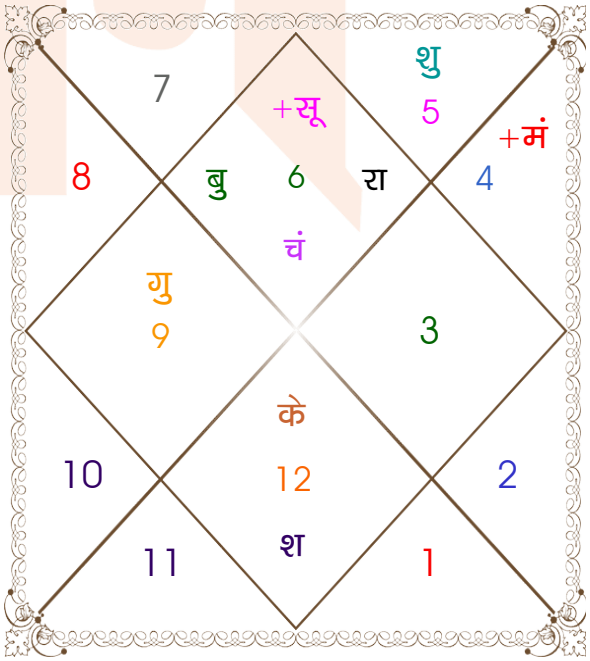

Vedmurti
Ratnagiri
9130790939
sumitradeo1988@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

कुल : **27 / 36**

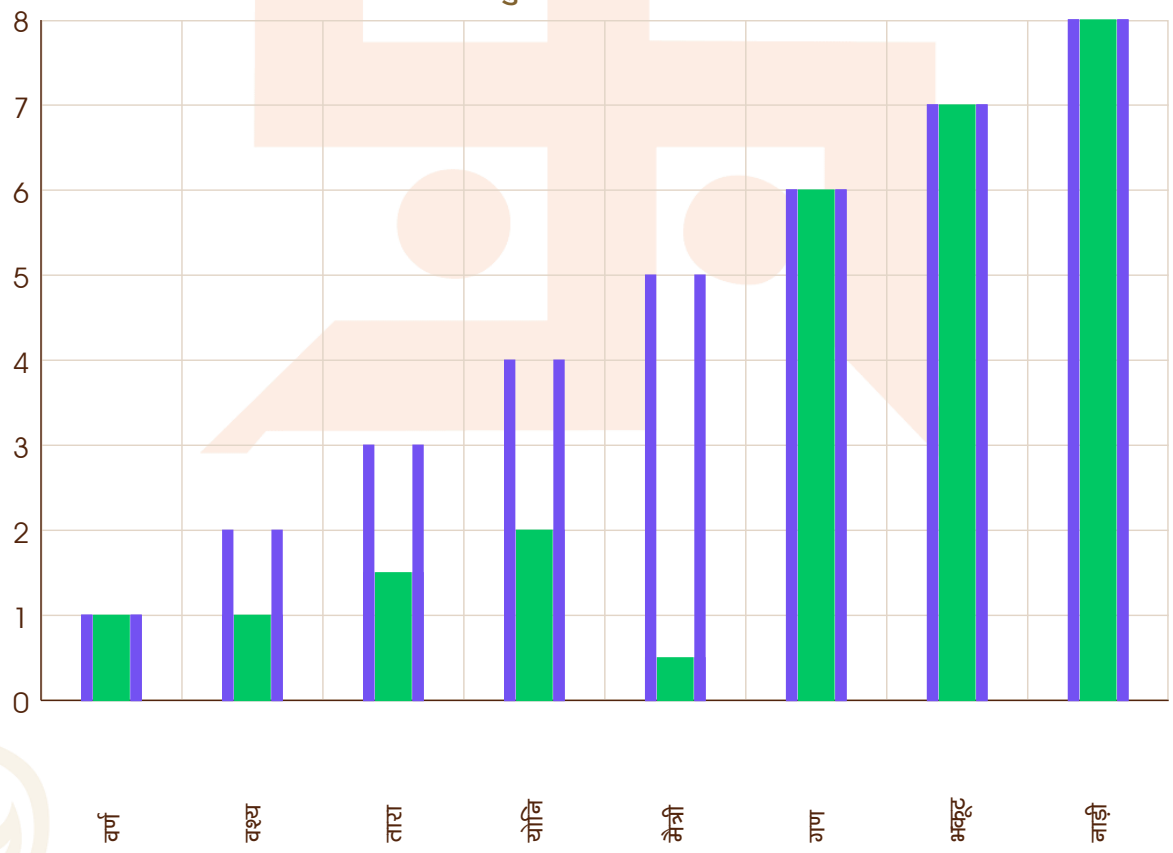

Vedmurti
Ratnagiri
9130790939
sumitradeo1988@gmail.com

अष्टकूट मिलान

डतण्दपीपस ीमजलम का वर्ग सर्प है तथा Ms.diksha gandhi का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्दपीपस ीमजलम और Ms.diksha gandhi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्दपीपस ीमजलम मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Ms.diksha gandhi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

डतण्दपीपस ीमजलम तथा Ms.diksha gandhi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

डतण्दपीपस ीमजलम का वर्ण ब्राह्मण तथा Ms.diksha gandhi का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Ms.diksha gandhi सदैव अपने पति तथा घर में बड़ों का सम्मान करेगी तथा उनकी आज्ञा का पालन करती रहेंगी। Ms.diksha gandhi मितव्ययी होंगी तथा बचत करके पैसे को लाभदायक उपादानों में निवेश करती रहेंगी।

वश्य

डतण्दपीपस ीमजलम का वश्य जलचर है एवं Ms.diksha gandhi का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में Ms.diksha gandhi अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि डतण्दपीपस ीमजलम उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तारा

डतण्दपीपस ीमजलम की तारा वध तथा Ms.diksha gandhi की तारा क्षेम है। डतण्दपीपस ीमजलम की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। डतण्दपीपस ीमजलम बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। डतण्दपीपस ीमजलम को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु Ms.diksha gandhi लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

डतण्दपीपस ीमजलम की योनि गज है तथा Ms.diksha gandhi की योनि गौ है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो

सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतण्दपीपसेीमजलम का राशि स्वामी Ms.diksha gandhi के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि Ms.diksha gandhi का राशि स्वामी डतण्दपीपसेीमजलम के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

डतण्दपीपसेीमजलम का गण देव तथा Ms.diksha gandhi का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Ms.diksha gandhi अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

डतण्दपीपसेीमजलम एवं Ms.diksha gandhi की राशियां एक दूसरे से सम सप्तक (1/7) हैं। जिसके कारण इस मिलान को अति उत्तम मिलान माना जाता है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान अति शुभ है तथा डतण्दपीपसेीमजलम व Ms.diksha gandhi को शांति, सुख, सौभाग्य, समृद्धि, योग्य संतान एवं चतुर्दिक विकास के अवसरसमय-समय पर मिलते रहेंगे। साथ ही दोनों के बीच असीम प्यार बना रहेगा तथा दोनों हर कार्य में एक-दूसरे की मदद करते

रहेंगे।

नाड़ी

डतण्दपीपस ेमजलम की नाड़ी अन्त्य है तथा Ms.diksha gandhi की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। डतण्दपीपस ेमजलम की अन्त्य नाड़ी तथा Ms.diksha gandhi की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

डतण्दपीपस ेीमजलम की जन्म राशि जलतत्व युक्त मीन तथा Ms.diksha gandhi की राशि भूमि तत्व युक्त कन्या राशि है। जल एवं भूमि में नैसर्गिक मित्रता तथा समता होने के कारण इनके मध्य स्वभावगत समानताएं विद्यमान होंगी जिनसे परस्पर संबध मधुर रहेंगे तथा वैवाहिक जीवन भी सुखी रहेगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

डतण्दपीपस ेीमजलम की राशि का स्वामी बृहस्पति तथा Ms.diksha gandhi की राशि का स्वामी बुध परस्पर सम तथा शत्रु राशियों में स्थित है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति विशेष सुखद नहीं होंगी। इसके प्रभाव से परस्पर संबंधों में कटुता का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे डतण्दपीपस ेीमजलम और Ms.diksha gandhi का आलोचनात्मक तथा अविश्वास का परस्पर दृष्टिकोण रहेगा इससे वैवाहिक जीवन में कई प्रकार की अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। अतः यदि डतण्दपीपस ेीमजलम और Ms.diksha gandhi परस्पर सामंजस्य की प्रवृति का पालन करें तो किंचित शुभता उनके दाम्पत्य जीवन में हो सकती है।

डतण्दपीपस ेीमजलम और Ms.diksha gandhi की राशियां परस्पर सप्तम भाव में पड़ती है। शास्त्र के अनुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा आपस में प्रेम सहयोग तथा सहानुभूति के भाव में वृद्धि होगी। इससे आपसी संबंधों में मधुरता रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन में सुख शांति तथा प्रसन्नता बनी रहेगी। इसके साथ ही एक दूसरे के प्रति सम्मान एवं विश्वास के भाव में भी वृद्धि होगी।

डतण्दपीपस ेीमजलम का वश्य वनचर तथा Ms.diksha gandhi का वश्य मानव है। वनचर एवं मानव में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में असमानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं भी अलग होंगी। फलतः दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे जिससे वैवाहिक जीवन में कटुता रहेगी।

डतण्दपीपस ेीमजलम का वर्ण ब्राह्मण तथा Ms.diksha gandhi का वर्ण वैश्य है। अतः डतण्दपीपस ेीमजलम की प्रवृति धार्मिक तथा शैक्षणिक कार्य कलापों में रहेगी जबकि Ms.diksha gandhi धनार्जन में विशेष तत्पर रहेंगी तथा धन को विशेष महत्व प्रदान करेंगी इससे यदा कदा डतण्दपीपस ेीमजलम और Ms.diksha gandhi के मध्य मतभेद उत्पन्न हो सकते है।

धन

डतण्दपीपस ेीमजलम और Ms.diksha gandhi दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग

स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

डतण्दपीपस ेमजलम की नाड़ी अन्त्य तथा Ms.diksha gandhi की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों की नाड़ियां अलग अलग होने के कारण दोनों शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे तथा अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथा समय सम्पन्न करने में समर्थ होंगे। जिससे दाम्पत्य जीवन में समृद्धि तथा प्रसन्नता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का दुष्प्रभाव भी किसी के स्वास्थ्य पर नहीं रहेगा जिससे उत्तम दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा तथा सुख एवं आनंद पूर्वक डतण्दपीपस ेमजलम और Ms.diksha gandhi अपना जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से डतण्दपीपस ेमजलम और Ms.diksha gandhi का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त डतण्दपीपस ेमजलम और Ms.diksha gandhi के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms.diksha gandhi के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms.diksha gandhi को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms.diksha gandhi को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से डतण्दपीपस ेमजलम और Ms.diksha gandhi सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार डतण्दपीपस ेमजलम और Ms.diksha gandhi का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.diksha gandhi के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Ms.diksha gandhi के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Ms.diksha gandhi अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Ms.diksha gandhi के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

डतण्दपीपसंीमजलम की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर डतण्दपीपसंीमजलम सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन डतण्दपीपसंीमजलम ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का डतण्दपीपसंीमजलम के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।

लग्न फल

Mr.nikhil shetye

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के द्वितीय चरण में कुंभ लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्न के समय मेदिनीय क्षितिज पर वृषभ राशि का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। आपके जन्मकालिक ज्यातिषीय आकृति से यह निर्दिष्ट हो रहा है कि यदि आप अपने जीवन में विश्वसनीयता बनाए रखें तब आप उत्तम मानवीय स्वाभावानुकूल जीवन, आनंददायक, धन, प्रसन्नता से युक्त समृद्धि प्राप्त कर सकते हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से सर्वोतम प्रकार के नेता जो मानवीय विश्वसनीयता से युक्त अन्य लोगों के मददगार, आदर्श एवं उदार चरित्र के प्राणी के रूप में उभर कर समाज का प्रतिनिधित्व करेंगे।

आप उदारता हेतु समर्थ होकर धन संपत्ति का संचय कर सकेंगे। आप मात्र मेधावी ही नहीं हैं। आप सर्वथा धन बनाने के करतब और चालाकी के जानकार हैं। आपमें ऐसी सक्षमता है कि स्पष्ट रूप से धन संपन्न होने के सभी तथ्यों का अच्छी प्रकार मूल्यांकन कर लेते हैं। आप अपने अंतर्ज्ञान पूर्ण शक्ति को लाभ जनित उपयोग कर आप लाभदायक परिणाम प्राप्त कर सकते हो।

आप उत्तम प्रकार के गुणों से युक्त है। आप चाहें तो अच्छे प्रकार के कार्य व्यवसाय तथा पर्यटन कार्य, औषधि, पब्लिक कंपनी के कार्य, औषधि की दुकान या निर्माण कार्य वकालत पेशा, ज्योतिषीय कार्य, धर्म दर्शन के कार्य अथवा भाषा के कार्यादि कर सकते हैं।

आप सामान्यतया अच्छे मिलनसार व्यक्ति हैं। कभी-कभी आप सहजता पूर्वक आवरण में छिप जाते हैं तथा एकांत प्रियता को प्रस्तुत करते हैं। आप किसी अवसर पर सुरक्षित हो जाते हैं। तब आपके मित्र एवं व्यावसायिक सहयोगी को आपके साथ किसी प्रकार के व्यवहार में दिक्कतें उत्पन्न हो जाती है। आपके लिए आवश्यक है कि आप इस विशेषता को त्याग दें। परंतु आप सदैव वाचालिक प्रवृति से दूसरों को प्रभावित करते हैं तथा अपनी व्यंगात्मक विनोद प्रियता से लोगों के मन पर विजय प्राप्त कर लेते हैं। आप अपने मित्रों की बड़ी मंडली के साथ अच्छा संबंध रखते हैं। मात्र कुछ समय आपके कुछ मित्रगण गोल माल करते हैं तो उन्हें विश्वास नहीं करने योग्य समझ कर उसे बाहर निकाल कर बहिष्कृत कर देते हैं।

आप किसी के भी पीछे की आधार स्तंभ का सर्वप्रथम अध्ययन कर गोल माल नहीं करने वाला समझ कर अपने से निकटता का संबंध स्थापित कर लेते हैं।

आप विपरीत योनि के प्रति संभोगात्मक प्रवति से सहजतापूर्वक प्रभावित होने वाले प्राणी हैं। आप निश्चित रूप से अपने जीवन में कोई जीवन संगी (प्रेमिका) अवश्य बनाएंगे। कुंभ राशीय प्रभाव से आपका वैचारिक मतैक्यता उनसे हो सकती है जिनका जन्म मिथुन अथवा तुला लग्न में जन्म हुआ हो।

एक बार आपका वैवाहिक जीवन सुव्यवस्थित एवं प्रतिबंधित हो जाना संभाव्य है। आप प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन बिता सकेंगे। आप अपनी पत्नी एवं अपने प्यारी संतान से युक्त होकर आपकी इच्छा का विस्तार होगा तथा अपने कार्य प्रणाली एवं उद्देश्य के अनुसार आपका नाम और आपकी प्रसिद्धि मिलेगी। आप सर्वथा पूर्ण निर्मित एवं व्यवस्थित भवन प्राप्त कर सकेंगे।

आप एक सामाजिक प्राणी हैं तथा यदा कदा अपने मित्रों को आमंत्रित कर अपने घर पर बुलाना पसंद करते हैं।

आपका स्वास्थ्य स्पष्ट रूप से अच्छा रहेगा परंतु कतिपय संभावित रोगादि की संभावनाओं के विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाना उत्तम होगा। कालांतर में रोगादि से प्रभावित होने की अशुभ संकट की आशंका है। आपके समक्ष हृदय की धड़कन, आंत्र शोथ एवं हार्नियां रोगादि की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए अंकों में अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक अनुकूल प्रतीत होता है। परंतु अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक अनुपयुक्त हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, लाल, पीला एवं क्रीम रंग उत्तम है। परंतु रंग नारंगी, हरा एवं नीला रंग आपके हित त्याज्य एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल एवं अत्यधिक लाभकारी दिन बुधवार शनिवार एवं शुक्रवार का दिन हैं। शेष रविवार, मंगलवार, एवं सोमवार का दिन आपके लिए बाधित एवं प्रतिकूल दिन हैं।

Ms.diksha gandhi

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति में धन संग्रह किया जाये, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझती हैं। वास्तव में भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकती हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगीं। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगी। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत योनि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगी। आपको अपनी दुबले पतली शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगी। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव

विपरीत योनि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेंगे।

आप वणिक प्रवृति की प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगी। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगी। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगी। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगी।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि की प्राणी है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगी। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगी। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगी। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगी संभाल सकेंगी जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगी कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपने प्रेमी के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पति का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपके एक अच्छे पति एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगी। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपनी अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक

1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।

अंक ज्योतिष फल

Mr.nikhil shetye

आपका जन्म दिनांक आठ होने से आपका मूलांक आठ बनता है। मूलांक आठ का स्वामी शनिग्रह है। शनि के प्रभाव से आप अपने जीवन में धीरे-धीरे उन्नति प्राप्त करेंगे। व्यवधानों, कठिनाईयों से जूझते हुए सफलता प्राप्त करना आपकी प्रकृति में रहेगा। असफलताओं से आप घबडायेंगे नहीं। कभी कभी निराशा के भाव अवश्य आ जाया करेंगे। आलस्य आपका सबसे बड़ा शत्रु रहेगा और यही आलस्य आपकी असफलता का कारण रहेगा। अतः किसी भी कार्य को कल पर न टालें। जीवन में शनि ग्रह के प्रभाववश आप काफी महत्वपूर्ण कार्य करेंगे, जिससे आपको नाम, यश, कीर्ति, प्राप्त होगी। आपकी कार्यशैली को हर कोई समझ नहीं पायेगा, इससे आपके विरोधी भी उत्पन्न होंगे।

आपके अन्दर दिखावे की प्रवृत्ति कम रहेगी। इस कारण आपको कुछ लोग रूखा, शुष्क और कठोर हृदय समझेंगे। जबकि अन्दर से आप काफी भावुक एवं दयालु हृदय के होंगे। आप अधिकांश समय में अपने काम से ही मतलब रखेंगे एवं आपकी कोशिश रहेगी कि काम में ही लगे रहें। लेकिन आपके इस व्यवहार के कारण आपके आलोचक भी अधिक रहेंगे।

आपके अंन्दर त्याग की भावना अधिक रहेगी एवं श्रम में कभी पीछे नहीं हटेंगे। किसी भी कार्य में कितना भी श्रम, त्याग या बलिदान लगे आप पीछे नहीं हटेंगे। इसी कारण रुकावटों को पार करते हुये आप अपनी मंजिल अवश्य प्राप्त करेंगे। शनि प्रभावी व्यक्ति संधर्ष शील एवं परिश्रमी होते हैं एवं विध्नों को पार करते हुये उन्नति करने के कारण इनको सफलता देर से लेकिन स्थायी प्राप्त होती है।

Ms.diksha gandhi

आपका जन्म दिनांक 11 है। एक एवं एक का जोड़ दो आपका मूलांक है। एक का स्वामी सूर्य एवं दो स्वामी चन्द्र है। इन दोंनो ग्रहों के गुण-अवगुण आपके व्यक्तित्व में रहेंगे। आप अनुशासन पसन्द महिला होंगी एवं अपने नाम पर धब्बा नहीं लगायेंगी। समाज में आपकी इज्जत होगी। नाम एवं यश प्राप्त करेंगी। सूर्य प्रभाव से नियमितता रहेगी। चन्द्र प्रभाव कभी-कभी मनको चंचल भी करेगा उससे बचना हितकर रहेगा अन्यथा सफलता के स्थान पर कई बार चन्द्र प्रभाव असफलता भी दे देगा। संघर्ष करना आपकी आदत बन जायेगी। अतः कभी आप एकदम उच्चता प्राप्त करेंगी तो कभी आपको थोड़ा झुकना भी पड़ेगा।

बौद्धिक स्तर आपका अच्छा रहेगा एवं ऐसे कार्य जिनमें बुद्धि का प्रयोग अधिक होता हो आपके लिये शुभ रहेगा। असफलताओं से आप निराश नहीं होंगी, क्षीण तो होंगी फिर भी हिम्मत नहीं हारेंगी और एक दिन फिर सूर्य की तरह प्रकाशित होंगी।

स्वभाव में आपके थोड़ा हठीपन रहेगा एवं क्रोध भी शीघ्र आ जाया करेगा। इन

अवगुणों से बचना आपके लिये हितकर रहेगा। आपको ऐसे क्षेत्रों का चुनाव करना हितकर रहेगा, जहाँ अत्यधिक परिवर्तनशीलता न हो। सामान्य कामकाज जिन क्षेत्रों में रहे, वह आपके लिये शुभ रहेंगे। विशेष कर बुद्धि विवेक के कार्य अधिक योगप्रद रहेंगे।

Mr.nikhil shetye

भाग्यांक नो का स्वामी मंगल ग्रह को माना गया है। यह ग्रह मण्डल का सेनापति है। रक्त वर्ण का क्षत्रियोचित गुणों का है। इसके प्रभाव से आप स्वतंत्ररूप से रोजगार- व्यापार के क्षेत्र में तरक्की करेंगे। साहस भरे कार्यों से आपका भाग्योदय होगा। आप ऐसे क्षेत्र में अपना रोजगार प्राप्त करेंगे, जहाँ आपकी हूकूमत चलती रहे। मुखिया, नायक, अगुआ के रूप में कार्य करना आपको हमेशा अच्छा लगेगा।

रोजगार के क्षेत्र में आप अपनी स्वतंत्र विचारधारा के द्वारा महत्वपूर्ण उन्नति को प्राप्त करेंगे। यांत्रिक कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। एकाधिकार पूर्ण कार्य क्षेत्र आपकी प्रथम पसन्द रहेंगे और आपकी कोशिश रहेगी कि आपने जो कार्यक्षेत्र अपने जीवन यापन हेतु चुना है उसमें किसी का भी हस्तक्षेप न हो । विरोध, बिना वजह का हस्तक्षेप आप बर्दास्त नहीं कर पायेंगे। यांत्रिकी कार्य, चिकित्सा, सेना, संगठन, सामाजिक क्रिया कलापों में आप गहरी रुचि प्रदर्शित करेंगे।

Ms.diksha gandhi

भाग्यांक एक का अधिष्ठाता सूर्य ग्रह को माना गया है। इसके प्रभाव से आप अपने कार्यक्षेत्र में एक चतुर, बलवान, बुद्धिमान, राजसी ठाटबाट को पसन्द करने वाली स्पष्ट वक्ता होंगी। आप स्वभाव से गम्भीर, उदार हृदय, परोपकारी, सत्य के मार्ग पर चलने वाली यशस्वी तथा विरोधियों को परास्त करने में विश्वास रखने वाली शूरवीर महिला के रूप में पहचान स्थापित करेंगी। आपका जीवन चक्र एक मुखिया की भाँति संचालित होगा अर्थात आप हुकूमत पसन्द, स्वतंत्र तथा स्थिर विचारधारा पर निर्भीक चलेंगी। अहं या स्वाभिमान आपमें कूट-कूट कर भरा होगा।

आपकी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति, आपकी मेहनत से होगी। अधिकारों में वृद्धि होगी। सूर्य अग्नि तत्व का द्योतक होने से आपका तेज समाज के विभिन्न क्षेत्रों में व्याप्त होगा। जीवनी शक्ति आप में अच्छी रहेगी एवं दूसरों को प्रोत्साहित करने में कुशल रहेंगी। आपका भाग्य उच्च श्रेणी का होने से आप एक दिन अपने श्रम, लगन, स्थिर प्रकृतिवश सर्वोच्चता को प्राप्त करेंगी। सूर्य प्रकाशित ग्रह होने से आपको हमेशा प्रकाश में रहना सुखकर लगेगा और ऐसे ही कार्यक्षेत्र को पसन्द करेंगी, जिसमें नाम तथा यश दोनों ही मिलें।